 Roll No. ……..

CAFN–02

आयुर्वेद का आहारीय चिकित्सा पद्धति में योगदान

Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN–16/17)

Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. शरीर के अंगों को बताते हुए निम्नलिखित के प्रकारों का वर्णन कीजिए :

   (i) पंचमहाभूत

   (ii) कला

(iii) आशय

(iv) प्राणायतन

(v) अस्थियाँ

(vi) संधियाँ

(vii) स्नायु

(viii) शिरा

(ix) धमनी

2. जठरांत्रीय रोग (पाचन संबंधी रोग) GIT Disorder से आप क्या समझते हैं ? विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. अस्थि का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. गुर्दे से आप क्या समझते हैं ? गुर्दे के कार्य एवं गुर्दे के रोगों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) देहनल

(ब) बेरी-बेरी

2. विटामिन-डी की कम एवं अधिक मात्रा से हानियों को बताइये।

3. फॉलिक अम्ल का विलय किस द्रव्य में होता है ? इसकी प्राप्ति व कार्य एवं दैनिक आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
4. मोटापे एवं अल्पभार के कारणों पर प्रकाश डालिए।
5. Hepatitis का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. जल विलेय विटामिन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
7. धमनी से आप क्या समझते हैं ? धमनी के प्रकार एवं संख्या का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
8. इन्ट्रावीनस फीडिंग एवं ट्यूब फीडिंग से आप क्या समझते हैं ?

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $(\frac{1}{2})$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. अस्थि, धमनी, केश, नख हैं :
   (अ) पितृज भाव
   (ब) मातृज भाव
   (स) उपर्युक्त दोनों
   (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
2. जंघा के बीच में मर्म होता है :
   (अ) इन्द्रवस्ति मर्म
   (ब) कूर्च मर्म
   (स) क्षिप्र मर्म
   (द) उर्वी मर्म

3. संधियों के भेद होते हैं :

(अ) 7 (ब) 8

(स) 5 (द) 3

4. Vitamin E की दैनिक आवश्यकता है :

(अ) 15–20 mg

(ब) 10–15 mg

(स) 20–25 mg

(द) 5–10 mg

5. स्नेह में विलेय होने वाले Vitamin हैं :

(अ) A, D, K, E

(ब) B Complex, C

(स) (अ) एवं (ब) दोनों

(द) A, B, C, E

सत्य/असत्य लिखिए :

6. जो खाए गए भोजन का शीघ्र पाचन करती है उसे विषमाग्नि कहते हैं।

7. विटामिन-बी कॉम्पलेक्स के लगभग सभी विटामिन चयापचय में को-एन्जाइमों का कार्य करते हैं।

8. पैप्टिक अल्सर (Peptic Ulcer) के रोगी को विटामिन C नहीं देनी चाहिए।

9. विटामिन A के अधिक सेवन से होने वाली हानियों को विटामिन 'C' एवं 'K' के प्रयोग से ठीक किया जा सकता है।

10. ऊर्ध्वगामी एवं तिर्यग्गामी धमनियों की संख्या क्रमशः 4 एवं 10 होती है।